Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 04 , 26 सितम्बर, मंगलवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

युवक ने फंदा लगाकर जान दी

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के करावल नगर थाना इलाके में एक 18 वर्षीय युवक द्वारा संदिग्ध हालात में अपने ही घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। इस बाबत परिजनों को पता चलने के बाद मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया। इस बाबत पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए छानबीन शुरू कर दी है। घटनास्थल से पुलिस को कोई सुसाईड नोट नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान करावल नगर स्थित अंकुर विहार निवासी बलवंत (18) के रूप में हुई। वह कॉलेज का छात्र बताया जा रहा है। शनिवार की सुबह स्थानीय पुलिस को सूचना मिली की उक्त युवक ने अपने कमरे में लगे पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली। सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया। फि लहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

काम की खबर: समय पर निपटा लें काम, लगातार 4 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली। अगर बैंक में आपका कोई जरूरी काम है तो इसे समय पर ही निपटा लें क्योंकि इस त्योहारी सीजन में लगातार चार दिन तक बैंकों की छुट्टी रहेगी।

29 सितंबर को नवमी और 30 सितंबर को दशहरा होगा। इन दोनों दिन बैंकों की छुट्टी रहेगी। इसके बाद एक अक्टूबर को रविवार है और दो अक्टूबर को गांधी जयंती है। ऐसे में बैंक लगातार चार दिन बंद रहेंगे। इसलिए आपको सलाह है कि आप बैंक से संबंधित सभी जरूरी काम 28 सितंबर तक यानी गुरुवार तक निपटा लें।

असमंजस में वेतनवाले

बैंकों में लगातार चार दिन की छुट्टी रहने से पहली तारीख कोर सैलरी पाने वाले सरकारी वा प्राइवेट कर्मचारी असमंजस में हैं कि उनका वेतन कब आएगा। ऐसे में हो कसता है कि कुछ लोगों का वेतन 28 सितंबर को ही आए जाए और कुछ का 3 अक्टूबर को आए।

छुट्टी की लिस्ट-

29 सितंबर : महानवमी
30 सितंबर : दशहरा
1 अक्टूबर : रविवार
2 अक्टूबर : गांधी जयंती

युकां कार्यकर्ता विरोध में उतरे सड़कों पर

आप ने की लाठी चार्ज की निंदा

नई दिल्ली। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में छेड़छाड़ का विरोध कर रही छात्राओं पर पुलिस ने लाठी चार्ज किया है। इसको लेकर रविवार को यहां यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया है। यूथ कांग्रेस ने यूपी सरकार और केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि बेटो बचाओ और बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली सरकार बेटियों पर बर्बर लाठी चार्ज करा रही है।

यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने केंद्र और यूपी सरकार के खिलाफ हल्ला बोलते हुए रायसीना रोड से आशोक रोड स्थित केंद्रीय भाजपा कार्यालय की ओर कूच किया, लेकिन पुलिस ने प्रर्दशनकारियों को ली मेरिडियन होटल के गोल चक्कर पर ही रोक लिया। यहां प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सीताराम लांबा ने एक तरफ केंद्र की एनडीए सरकार बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान चलत्ती है तो दूसरी तरफ अपनी मांगों को लेकर शांति पूर्वक प्रदर्शन कर रही छात्राओं पर बर्बर लाठी चार्ज कराती है।

जो एनडीए के दोहरे चरित्र को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि यह पहला मौका नहीं है जब बीएचयू की छात्राओं ने परिसर में सुरक्षा की मांग की है। इसके पहले भी मांग कर चुकी है लेकिन बीएचयू प्रशासन मौन रहा। लांबा ने कहा कि अगर पहले ही समस्या का समाधना बीएचयू प्रशासन द्वारा कर दिया जाता तो आज छात्राओं को प्रदर्शन नहीं करना पड़ता। युवक कांग्रेस ने कहाकि यह देश की छात्रों की लड़ाई है। इससे सड़क से संसद तक लड़ी जाएगी।

प्रदर्शन में दीपक वशिष्ठ, राजेश शर्मा, सुमित शर्मा, तेजवीर मलिक, सिद्धार्थ कुंडू, प्रदीप तंवर, भारत भूषण सहित दिल्ली प्रदेश युवक कांग्रेस के पदाधिकारियों के अलावा दूसरे राज्यों के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

ऐलानः मुकुल रॉय छोड़ेंगे ममता का साथ

पार्टी ने किया निलंबित, दुर्गा पूजा के बाद देंगे टीएमसी से इस्तीफा

अहमदाबाद। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी आज से तीन दिनों के लिए गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र का दौरा करेंगे।

राहुल ने द्वारका में भगवान कृष्ण के मंदिर में प्रार्थना करने के साथ अपने दौरे की शुरआत की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शक्ति सिंह गोहिल ने बताया कि पूजा करने के बाद गुजरात में पार्टी के चुनाव प्रचार के तहत वह सड़क मार्ग से सौराष्ट्र क्षेत्र का दौरा करेंगे।

गोहिल ने कहा, राहुल गांधी अपने तीन दिवसीय रोड शो की शुरआत द्वारका से करेंगे। वह विभिन्न स्थानों पर लोगों को संबोधित करेंगे और रास्ते में उनसे बातचीत करेंगे। गोहिल ने बताया कि पार्टी उपाध्यक्ष इसके बाद जामनगर शहर जाएंगे जहां वह रात्रि विश्राम करेंगे। 26 सितंबर को वह धरोल और टंकारा शहरों से होते हुए राजकोट पहुंचेंगे। दोपहर में राजकोट पहुंचने पर वह व्यवसायियों और उद्योगपतियों से बातचीत

करेंगे। गोहिल ने कहा, वह राजकोट में रात्रि विश्राम करेंगे।

अगली सुबह वह चोटिला, जसदान, वीरपुर, जेतपुर और अन्य शहरों का दौरा करेंगे और फिर खोडलधाम में अपना प्रचार अभियान समाप्त करेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि सौराष्ट्र दौरे के बाद वह उत्तर, मध्य और दक्षिण गुजरात में पार्टी के लिए चुनाव प्रचार करेंगे जिसके लिए तारीखों का एलान बाद में किया जाएगा। गुजरात में इस वर्ष के अंत तक विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

हर घर में बिजलीः

जानें सौभाग्य योजना की 13 खास बातें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सोमवार को सौभाग्य योजना का ऐलान किया। इस योजना के तहत शहर और गांव के गरीबों को फायदा मिलेगा।

1- योजना का पूरा नाम -'प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना' सौभाग्य है।

2- जिनका नाम 2011 की सामाजिक आर्थिक जनगणना में है उन्हें मुफ्त बिजली कनेक्शन मिलेगा।

3- जिनका नाम नहीं है वह 500 रुपए देकर बिजली का कनेक्शन ले सकते हैं। ये 500 रुपए आप 10 किस्तों में भी दे सकते हैं।

4- योजना के लिए 16 हजार करोड़ का बजट होगा।

योजना के तहत जहां बिजली नहीं पहुंची वहां के घरों को एक सोलर पैक मिलेगा जिसमें 5 एलईडी बल्ब और एक पंखा भी होगा।

5- सौभाग्य योजना का ऐलान पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्?दी के मौके पर पंडित दीनदयाल ऊर्जा भवन से किया गया।

सौभाग्य योजना की मुख्य बातें

6- सभी घरों को आसानी से बिजली उपलब्ध होगी

7- मिट्टी के तेल का विकल्प अब बिजली होगी

8- शैक्षिक सेवाओं में सुधार होगा

9- स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा

10- संचार के साधन बेहतर होंगे

11- जनता की सुरक्षा में सुधार होगा

12- इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

13- जीवन स्तर में सुधार होगा, खासकर महिलाओं को रोज के कामों में सहूलियत मिलेगी।

दुष्कर्म पीड़िता बच्ची को मिलेगा मुआवजा

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के करोलबाग थाना इलाके में कुछ दिनों पहले दुष्कर्म की शिकार बनी पांच साल की मासूम के परिजनों को कोर्ट के निर्देश के बाद दिल्ली स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी द्वारा मुआवजा दिया जाएगा। इस बाबत दिल्ली महिला आयोग द्वारा की गई कोशिश रंग लाई और अब कोर्ट के निर्देश पर दिल्ली स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी बच्ची की मां को मुआवजा देगा। सूत्रों की माने तो इस तरह के मामले में 2 से 3 लाख तक का मुआवजा देने का प्रावधान है। बताया जाता है कि पीड़ित बच्ची का परिवार बेहद गरीब है और उसकी मां फू ल बेचकर परिवार का पेट पालती है। पुलिस के मुताबिक बीते 18 सितम्बर को करोलबाग के रेगरपुरा इलाके में रहने वाली और सरकारी स्कूल में तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली एक पांच वर्षीय मासूम बच्ची को एक 30 वर्षीय अमित नामक दरिंदे ने रात का फ ायदा उठाते हुए बच्ची को बहला फुसला कर सुनसान जगह पर ले जाकर उसे अपनी हवस का शिकार बना डाला था। अपनी हैवानियत के दौरान उसने बच्ची को नोंच कर बुरी तरह से जख्मी कर दिया था, बाद में उसका गला दबाकर मारने की कोशिश भी की थी।

किस्मत से वह बच गई, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। उधर बाद में पुलिस ने मामले की छानबीन करते हुए आरोपी अमित को दबोच लिया था। उधर इस बाबत बच्ची को मुआवजा दिलाने के लिए दिल्ली महिला आयोग की तरफ से तीस हजारी कोर्ट में अर्जी दायर की गई। जिसके बाद कोर्ट ने सुनवाई करते हुए दिल्ली स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी को बच्ची की मां को मुआवजा देने का निर्देश दिया।

किशोरी से जीजा ने किया दुष्कर्म

नई दिल्ली। यमुनापार के पांडव नगर थाना इलाके में 15 वर्षीय एक किशोरी के साथ उसी के जीजा द्वारा दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस को मामले की जानकारी मिलने के बाद छानबीन के दौरान पीड़िता ने बताया कि आरोपी जीजा ने उसे जान से मारने की धमकी देकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने मामले के संज्ञान में आने के बाद किशोरी का मेडिकल करा कर मामले की पुष्टि होने के बाद आरोपी जीजा को हिरासत में ले लिया है। बताया जाता है कि बच्ची की मां ने दूसरी शादी कर ली थी, जबकि उसका पिता भी उसे छोड़ कर चला गया था। जिसके बाद से ही बच्ची अपने जीजा के साथ रह रही थी। जीजा की गलत निगाह बच्ची पर रहती थी। ऐसे में पिछले कुछ दिनों से पीड़ित बच्ची के साथ उसके जीजा ने अश्लील हरकतें करनी शुरू कर दी। जब बच्ची ने इस बात का विरोध किया तो आरोपी जीजा ने उसे जान से मारने की धमकी देते हुए उससे दुष्कर्म कर दिया।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने बच्ची को धमकी देते हुए किसी को भी इस बात के बारे में बताने से मना किया। उधर, इस वारदात से अंदर तक हिल चुकी पीड़ित बच्ची ने एनजीओ में काम करने वाली और उसके पड़ोस में रहने वाली एक महिला के घर पहुंचकर सारी आपबीती बताई। इसके बाद उक्त महिला ने पुलिस को सूचना देकर इलाके के शशि गार्डन स्थित जवाहर मोहल्ले में बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने की शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस मामले में आगे कार्रवाई कर रही है।

स्कूलों में ''से नो टू क्रैकर' अभियान शुरू

नई दिल्ली। प्रकाश पर्व दीवाली और दशहरा जैसे त्योहारों के करीब होने के मद्देनजर स्कूलों में ''से नो टू क्रैकर' अभियान शुरू किया गया है। इससे तहत न सिर्फ बच्चों को इन त्योहारों पर पटाखों का प्रयोग न करने के लिये जागरूक किया जाएगा बल्कि पर्यावरण हितैषी दीवाली कैसे मनायें, यह भी सिखाया जाएगा।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठकः

3 साल में करप्शन का आरोप नहीं- रेल मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का आज दूसरा दिन है। बैठक के लिए आज दिन मुख्य है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैठक में शामिल होंगे। पार्टी अध्यक्ष अध्यक्ष अमित शाह के संबोधन के साथ मुख्य बैठक की शुरुआत होगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण के साथ इसका समापन होगा। आपको बता दें कि रेल मंत्री पीयूष गोयल ने बैठक स्थल से ही आज प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, बीजेपी के तीन साल के कार्यकाल में भ्रष्टाचार के एक भी आरोप नहीं है।

बीजेपी प्रेस कॉन्फ्रेंस की मुख्य बातें

-रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- 3 से 17 अक्टूबर तक केरल में बीजेपी की पदयात्राहिंसा के कीचड़ में बीजेपी का कमल खिलेगा, हिंसा से बीजेपी कार्यकर्ता डरने वाला नहीं

मिशन 2019 पर होगा फोकस

खास बात ये है कि इस बैठक में पहले भाजपा के पदाधिकारी हिस्सा लेते थे। लेकिन इस बार पार्टी के लोकसभा और राज्यसभा सांसद भी शामिल होने जा रहे हैं। इससे ये स्पष्ट होता है कि इस बैठक में मिशन 2019 पर फेकस हो सकता है।

पहले सिर्फ 200 पदाधिकारी हिस्सा लेते थे राष्ट्रीय कार्यकारिणी में आमतौर पर स्थायी और विशेष आमंत्रित सदस्यों समेत करीब दो सौ पदाधिकारी हिस्सा लेते हैं।

इस बार पार्टी के देश-भर के सांसदों, विधायकों को शामिल होने का न्योता देकर विस्तारित कार्यकारिणी की रूपरेखा तैयार की गई है।

2000 नेता हो सकते हैं शामिल

इस बार बैठक का प्रारूप आमतौर पर होने वाली बैठक से बड़ा है। बैठक में देश भर से पार्टी के सभी 281 लोकसभा सदस्य, 57 राज्यसभा सदस्य, 1400 के करीब विधायक और विधानपार्षद और प्रदेश इकाइयों के अध्यक्ष और महामंत्री हिस्सा लेंगे। माना जा रहा है कि 2200 के करीब नेता इसमें शामिल होंगे।

रोहिंग्या और जीएसटी पर विशेष प्रस्ताव भी पेश किए जाएंगे

बैठक के दौरान राजनीतिक और आर्थिक प्रस्ताव भी पेश किए जाएंगे। राजनीतिक प्रस्ताव में रोहिंग्या मुसलमानों के मुद्दे को शामिल किए जाने की संभावना है, तो आर्थिक प्रस्ताव में जीएसटी से आए बदलाव और नोटबंदी से बदली परिस्थितियों का जिक्र हो सकता है।

पार्टी के विस्तारकों पर भी चर्चा संभव

बीजेपी और केंद्र सरकार इस साल को पंडित दीनदयाल जन्मशती वर्ष के रूप में भी मना रही है। 25 सितंबर यानी आज ही पंडित दीनदयाल का जन्मदिन भी है लिहाजा कार्यक्रम के दौरान साल भर में हुए कार्यक्रमों और पार्टी के विस्तारक कार्यक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

पूर्व गृह सचिव राजीव महर्षि बने नए कैग, राष्ट्रपति ने दिलाई पद व गोपनीयता की शपथ

नयी दिल्ली, पूर्व गृह सचिव राजीव महर्षि ने आज भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) पद की शपथ ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में महर्षि को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं अन्य उच्च अधिकारी मौजूद थे। नए कैग की शपथ के बाद राजीव महर्षि ने अपना कार्यभार भी संभाल लिया है। अधिकारियों ने बताया कि सरकार ने हाल ही में महर्षि की नियुक्ति को मंजूरी दी थी। राजस्थान कैडर से वर्ष 1978 के बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी महर्षि ने गृह सचिव के पद पर दो वर्ष का अपना तय कार्यकाल पिछले माह ही पूरा किया है। महर्षि ने शशिकांत शर्मा का स्थान लिया है। शर्मा ने 23 मई 2013 को कैग पद की शपथ ली थी। इस पद को संभालने से पूर्व वह रक्षा सचिव थे। महर्षि का कार्यकाल करीब तीन वर्ष का होगा। कैग की नियुक्ति छह वर्ष के लिए होती है अथवा तब तक के लिए होती है जब तक इस पर बैठा व्यक्ति 65 वर्ष का नहीं हो जाता। संवैधानिक अधिकारी के तौर पर कैग के ऊपर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के खातों के ऑडिट की जिम्मेदारी होती है। कैग की रिपोर्ट संसद और राज्य विधानसभाओं में पेश की जाती है। महर्षि राजस्थान से हैं और उन्होंने अमेरिका के ग्लासगो स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ स्ट्रेथक्लाइड से मास्टर्स ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की डिग्री ली है। इससे पहले भी वह अपने राज्य और केन्द्र सरकार में अहम जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। गृह सचिव के पद पर नियुक्ति से पूर्व वह आर्थिक मामलों के सचिव और राजस्थान के मुख्य सचिव रह चुके हैं। इसके अलावा वह रसायन एवं उर्वरक विभाग तथा विदेश मामलों के विभाग में सचिव पद पर सेवाएं भी दे चुके हैं।

दुर्गा पूजाःकोलकाता में सबसे महंगा पंडाल

मां ने पहने 10 करोड़ के गहने

कोलकाता। दुर्गा पूजा अगर देखनी है तो बंगाल जरूर जाएं। कोलकाता के दुर्गा पंडालों की बात ही कुछ और होती है। कोलकाता दुर्गा पूजा के लिए सजकर तैयार हो गया है। कोलकाता में लाखों रुपए खर्च करके पंडाल बनाए जाते हैं।

बेहाला, श्रीभूमि, लेक टाउन, सॉल्ट लेक में सबसे महंगे पंडाल बनते हैं। इस बार कोलकाता के श्रीभूमि के स्पोर्टिंग क्लब में फिल्म 'बाहुबली के तर्ज पर पंडाल बना है। इस पंडाल को बाहुबली पंडाल का नाम दिया जा रहा है। इसपर दस करोड़ रुपए का खर्च हुआ है। इस साल शहर में करीब 3000 पूजा पंडाल बने हैं।

पौराणिक सचःलंका में होती थी दुर्गा की पूजा,लेकिन रामलीला में नहीं दिखती झलक

माहिष्मति सरीखा महल

इसी में एक पंडाल ऐसा भी है, जिसके बारे में खुद बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि ये दुनिया का सबसे महंगा दुर्गा पंडाल है। इसमें बाहुबली-2 फिल्म के आधार पर माहिष्मति महल की तरह मिलता जुलता एक महल बनाया गया है।

ये माहिष्मति दुर्गा पंडाल 110 फीट ऊंचा है, करीब 150 कलाकारों ने लगातार तीन महीने मेहनत करके इसे बनाया है।

पूजा कमिटी ने बताया फिल्म की लोकप्रियता को देखते हुए इस साल ये पंडाल बनाया गया है। दुर्गा मां ने जो गहने पहने हैं वो 10 करोड़ के हैं और पंडाल 1 करोड़ का है।

संपादकीय

दिमाग की आदत

इस मामले में हम दो अलग-अलग ध्रुवों पर हैं। एक कहती है कि आदतें बेवजह नहीं होतीं, तो दूसरी कहती है कि आदतों की कोई वजह नहीं होती। आप इसमें से किसी भी राय से इत्तेफाक रखते हों, सच यही है कि हर किसी के पास कम से एक आदत तो होती ही है, जो उसे दूसरों से अलग भी करती है और कभी-कभी उसकी पहचान भी बनती है। यानी जितने लोग, उतनी आदतें। कोई सिर खुजलाता है, तो कोई बार-बार अपनी कमीज का कॉलर दुरुस्त करता है, ऐसे लोग भी हैं, जो इसके लिए कॉलर तक हाथ ले जाने की जहमत भी नहीं उठाते, वे कंधे उचकाकर और गरदन को दाएं-बाएं घुमाकर ही कॉलर के बीच अपने आप को व्यवस्थित करने की कोशिश करते हैं। अपने नाखून चबाने वाले लोग तो आपको हर गली मिल जाएंगे। कुछ समय पहले तक भारतीय क्रिकेट टीम के एक कप्तान की भी यही आदत थी। मैच जब अपने चरम तनाव के क्षणों में होता था, तो अक्सर वह टेलीविजन के परदे पर नाखून चबाते हुए दिखाई देते थे। इसी तरह, तकिया कलाम को भी एक तरह की आदत ही माना जाता है, तो कुछ लोग बात-बात पर गला खखारते हैं। पर ये आदतें सिर्फ आदतें होती हैं या कुछ कहती भी हैं? पिछले कुछ समय में वैज्ञानिकों ने अपनी आदत के अनुसार इसमें काफी सिर खपाया है और अब वे नतीजे के करीब पहुंचते दिख रहे हैं वैज्ञानिकों ने पाया है कि ये सभी आदतें अक्सर अनैच्छिक होती हैं, हमें पता भी नहीं चलता और ये हमारे व्यवहार का हिस्सा बन जाती हैं। कोई टोक दे, तो हम इसे रोक देते हैं, मगर मौका जब आता है, तो ये आदतें भी हमारे बर्ताव में पहले की तरह लौट आती हैं। क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट अली मद्दु के अनुसार, हमारे शरीर का इस तरह का बार-बार दिखने वाला बर्ताव हमारे दिमाग के उस हिस्से से नियंत्रित होता है, जिसे बेसल गैंग्लिया कहा जाता है। दरअसल, हमारे दिमाग का यही हिस्सा शरीर की गति और उसके संचालन को नियंत्रित करता है। इसमें से ज्यादातर गति और संचालन हमारी इच्छा से होता है, इसलिए यह अनैच्छिक गति कहां से आती है, इसे अभी ठीक तरह से समझा नहीं जा सका है। इससे बड़ा सवाल यह है कि कोई किसी आदत को क्यों अपना लेता है?मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि इस तरह की आदतें अक्सर हमारे समाज की तनावपूर्ण स्थितियों या समाज की स्थितियों से हमारे तनावपूर्ण संबंधों से उपजती हैं। न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के लैंगोन मेडिकर सेंटर के न्यूरोसर्जन एलॉन मॉस्लीनर के अनुसार, हमारे दिमाग के सर्किट का संतुलन बड़ा नाजुक है और अगर किसी चीज या किसी काम पर आपके मन के भाव उखड़ते हैं, तो आप बहुत कुछ वैसा करने लग जाते हैं, जो दरअसल आप नहीं करना चाहते। यानी ऐसी आदतों का सिर्फ एक ही मतलब है कि हमारा दिल और दिमाग हालात के साथ सहज नहीं है। इन आदतों की एक खास बात होती है कि आमतौर पर ये किसी से सीखी नहीं जातीं, बल्कि ये हर किसी के शरीर की अपनी मौलिक अभिव्यक्ति होती हैं। शरीर का बर्ताव कैसा होगा, दिमाग हर मौके पर यह अपने आप तय कर लेता है। और ऐसा नहीं है कि यह बर्ताव सिर्फ तनाव के क्षणों में ही व्यक्त होता है, कुछ आदतें तो तब भी दिखती हैं, जब आप बोर हो रहे होते हैं, जबकि कुछ आदतें आपको तब आ घेरती हैं, जब आप दुखी होते हैं। कुछ लोग अपनी ऐसी आदतों को लेकर इस कदर परेशान होते हैं कि मनोचिकित्सक के पास जा पहुंचते हैं, जबकि कुछ को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हालांकि वैज्ञानिक अभी पूरी तरह से समझ नहीं पाए हैं कि यह शरीर का बॉयोकेमिकल लोचा है या इसका कुछ और कारण है।

कहां जाएं छात्राएं

बनारस हिन्दू विविद्यालय में शनिवार की रात छात्र-छात्राओं की लाठियों के दम पर आवाज दबाने की सतही कोशिश, सीधे तौर पर प्रशासनिक विफलता, अकर्मण्यता, लापरवाही, अक्खड़पन, अधिकारियों की जिद व जिम्मेदारी से पलायन करने का मामला है। विवि परिसर के भीतर छात्राओं के साथ सरेराह छेड़खानी, भद्दी और लज्जाजनक टिप्पणियां-फब्तियां, कपड़े उतारने की घिनौनी हरकत रोजाना की बात हो गई है। छात्राओं की मांग इन्हीं सब हरकतों पर विविद्यालय प्रशासन (प्रॉक्टर) और कुलपति जी.सी. त्रिपाठी से रोक लगाने की थी, जिसे हर किसी ने अनसुना कर दिया। न तो विविद्यालय की सुरक्षा के लिए नियुक्त सुरक्षाकर्मियों ने छात्राओं को सुरक्षित होने का भरोसा दिलाया न विविद्यालय के कुलपति ने इसे संजीदगी से लिया। आंदोलनरत छात्राओं से मिलना तक मुनासिब नहीं समझा। मजबूरन छात्रों को सड़कों पर उतरना पड़ा। घंटों मुख्य द्वार पर धरने पर बैठना पड़ा और प्रशासन के खिलाफ आवाज बुलंद करनी पड़ी। लेकिन अगर छात्राओं की तकलीफ को निष्पक्ष नजरिये से देखें तो उनकी मांगें अराजक और राजनीति से प्रेरित कैसे हो गईं? बच्चों की बस तीन-चार ही तो मांग थीं-छात्रावास में आने-जाने का मार्ग सुरक्षित हो और सुरक्षा अधिकारी की तैनाती हो; दूसरा छेड़छाड़ की घटना रोकने की गंभीरता से कवायद हो और आने-जाने वाले मार्गों खासकर हॉस्टल वाले रास्तों पर सीसीटीवी से निगरानी हो, वगैरह-वगैरह। इन मांगों में अराजक और आपत्तिजनक क्या है? क्या विश्विद्यालय इसी तरह से चलते हैं? और फिर बिना किसी जांच के कुलपति आंदोलनरत समूह के किसी दल से जुड़े होने के आरोप कैसे चस्पा सकते हैं? बजाय छात्राओं की मांगों का हल निकालने के। जिस विविद्यालय को उसके गरिमामयी इतिहास के तौर पर स्मरण किया जाता है, अगर वहां अपनी सुरक्षा के लिए मांग पत्र सौंपना और धरना देना अनुशासनहीनता है तो फिर कहने के लिए कुछ भी नहीं बचता है। ''बेटियों के हाथों देश का भविष्य' और ''बेटी पढ़ाओ बेटी पढ़ाओ' जैसे नारे अब विास बढ़ाने के बजाय डराते ज्यादा हैं। बेहद अफसोसनाक बात यह भी कि हर छोटी-छोटी घटनाओं पर ''चहवहाने' वाली प्रधानमंत्री वहीं के सांसद होकर और उसी शहर में होकर निस्तेज और चुप्पी की चादर ओढ़े रहे।

परिधि/ विशाल तिवारी

कुत्सित विचार का नाश हो

नवरात्र में तन-मन की शुद्धि के लिए व्रत रखा जाता है। जो व्रत नहीं रखते वो भी विचार-व्यवहार में शुद्धता बरतते हैं। हरसंभव खुद को विकृत विचारों से दूर रखते हैं। लेकिन जब विवेक मर जाता है तो लोग ऊलजुलूल लिखने-बोलने से परहेज नहीं करते। चाहे उससे लोगों की भावनाएं ही आहत क्यों ना हों? एक बार फिर हिन्दू देवी मां दुर्गा को निशाना बनाया गया है। उनके खिलाफबेहद अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है। आश्चय की बात है कि यह घिनौनी हरकत दिल्ली विश्विद्यालय से संबद्ध एक सहायक प्रोफेसर ने की है। फेसबुक पर देवी दुर्गा पर लिखी पोस्ट के लिए सहायक प्रोफेसर केदार कुमार मंडल के खिलाफ मामला तो दर्ज हो गया है, लेकिन लोगों की मांग है कि कॉलेज प्रशासन प्रोफेसर खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। किसी भी हद तक गिरकर सस्ती लोकप्रियता बटोरने की चाहत वाले दौर में यह घटना कतई नहीं चौंकाती। हो सकता है प्रगतिशीलता का दवा ठोकने वाली जमात इस घटना को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से भी ना जोड़ दें। अगड़े-पिछड़े के कुत्सित कुतर्क का भी कोण देने का प्रयास किया जा सकता है। पिछले हफ्ते एक निरोध कम्पनी ने सूरत में नवरात्र से जोड़ते हुए सनी लियोनी की बड़ी सी होर्डिंग लगाई थी। हालांकि विरोध के बाद उसे हटाया गया। ऐसी घटनाएं इसी तरफ इशारा करती है कि बाजार अब अपनी नीयत पर उतर आया है। हिन्दू देवी-देवताओं के अपमान से जुड़ी घटनाएं आए दिन खबरों में रहती हैं। लेकिन किसी तरह की कोई कार्रवाई ना होने की वजह से आरोपी ''माफी के चोर दरवाजे' से बच निकलता है। जाहिर है इससे बाकियों का हौसला बढ़ता है। उदारता हिन्दू धर्म की पहचान रही है। लेकिन करोड़ों लोगों की भावनाओं को अपमानित करने वाले इसका नाजायज फायदा उठाते हैं। यहां तक कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कुछ भी कह और रच डालते हैं। आए दिन अखबारों और पत्र पत्रिकाओं में देवी देवताओं की तस्वीरें छपती हैं। उसके बाद घर से लेकर रद्दी तक उनका कैसा इस्तेमाल होता है, हम बेहतर जानते हैं। मूर्तियों के विसर्जन का भी कमोबेश यही हाल है। देवी-देवताओं के साथ भारतीय संस्कृति के प्रतीकों के साथ अपमान करने वालों के खिलाफ नजीरी कार्रवाई तो हो ही, साथ-साथ हम भी अपने आराध्यों के प्रति दिल से सम्मान बनाए रखें। यह जरूरी है।

हमारी संस्कृति का निजता से नाता

ओसामा मंजर

निजता कोई गोपनीयता बरतने का तरीका नहीं है। इसके उलट इसे 'अकेले रहने और दूसरे लोगों द्वारा ताड़ने या परेशान न किए जाने की अवस्था' के रूप में परिभाषित किया गया है या फिर इसे 'आम लोगों की निगाहों से दूर रहने की अवस्था' माना गया है। मगर भारत के सांस्कृतिक व व्यावहारिक संदर्भों में निजता के मायने क्या हैं? जवाब है, कोई खास नहीं। यह समझने के लिए कि भारत में निजता का कोई खास मतलब नहीं है, हमें देश की जनसांख्यिकी पर गौर करना होगा। ऐतिहासिक रूप से भारत एक ऐसा देश रहा है, जो विविधता को समेटे हुए है। यह विविधता इसकी भौगोलिक तस्वीर, भू-आकृति और राज्यों की सीमाओं तक सिमटी हुई नहीं है, बल्कि यह इसकी संस्कृति, परंपरा, खान-पान की आदत, वेश-भूषा, भाषा, बोली, लिपी, व्यवहार, धर्म और जाति तक में फैली हुई है। कहा जाता है कि 'हर दो मील पर यहां पानी बदलता है और हर चार मील पर भाषा बदलती है'।

2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की कुल 1.3 अरब आबादी में 68.84 फीसदी लोग गांवों में रहते हैं। जनगणना यह भी बताती है कि कुल ग्रामीण आबादी में 67.77 फीसदी हिस्सा साक्षर है; बाकी सब अनपढ़ और निरक्षर हैं, इसलिए वे देश के मौखिक संवाद वाले समाज का निर्माण करते हैं। शहरी और ग्रामीण, दोनों आबादी को मिला दें, तो आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार देश की 27.01 फीसदी आबादी निरक्षर है। हालांकि जिन्हें देश ने अनपढ़ या निरक्षर माना है, उनमें से ज्यादातर आर्थिक रूप से कमजोर हैं, ग्रामीण हिस्सों या आदिवासी इलाकों में रह रहे हैं या वे पिछड़े जिलों से ताल्लुक रखते हैं। भारत के संदर्भ में निजता को समझने के लिए कुछ तथ्यों पर गौर करना उचित होगा। पिछले साल अक्तूबर तक भारत में मोबाइल फोन के ग्राहकों की संख्या 1.1 अरब को पार कर गई थी। देश में मोबाइल की इतनी गहरी पहुंच होने की एक वजह यह भी है कि इससे लोग तुरंत बात कर लेते हैं और इसका इस्तेमाल वाचिक संवाद स्थापित करने में होता है। यहां लोगों को लिखकर बातें करने या इस काम के लिए किसी की मदद की जरूरत नहीं होती। भारत में टीवी और रेडियो की लोकप्रियता की वजह भी यही है।

ब्रॉडकास्ट इंडिया सर्वे के मुताबिक, ग्रामीण भारत में कम आमदनी के बावजूद 17 फीसदी से अधिक घरों में टीवी है, जबकि एजेंड रिसर्च का अध्ययन बताता है कि एफएम सुनने वाले लोगों में 76 फीसदी श्रोता इसके लिए मोबाइल फोन इस्तेमाल करते हैं। जहां बातचीत व सूचनाओं का प्रसार अमूमन संचार के मौखिक तरीकों से होता हो, वहां सूचना की सुरक्षा का विचार या निजता की गुजाइंश बचती ही काफी कम है। ध्यान यह भी रखना चाहिए कि ज्ञान की कई बातों को भले ही देश के स्कॉलर, रिसर्चर और लेखकों ने ऑनलाइन या ऑफलाइन दस्तावेजों पर उकेर दिया है, बावजूद इसके अब भी काफी कुछ का दस्तावेजीकरण या उनको खंगाला जाना बाकी है, क्योंकि जिनके पास यह ज्ञान है, वे निरक्षर हैं और पारंपरिक तरीकों से उसे कामजों पर उतारना उन्हें नहीं आता। सांस्कृतिक तौर पर भारत एक ऐसा देश है, जहां कई जानकारी एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक मौखिक रूप में पहुंचती रही है। इस संच का दायरा हम स्वास्थ्य, चिकित्सा, वास्तुकला, संस्कृति, शिल्प, कला, लोक कथा, लोक संगीत, भाषा आदि में स्पष्ट तौर पर देख सकते हैं।

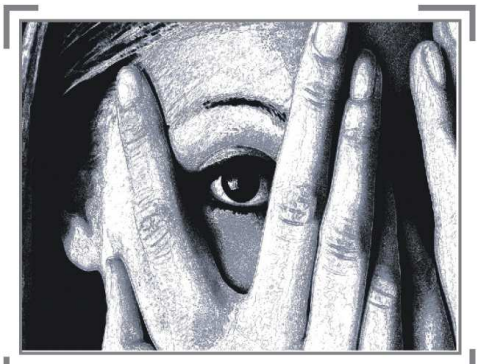

साफ है कि भारत ने न संचार को और न ही किसी सूचना को 'निजी' समझा है। यहां व्यक्तिगत जीवन की समझ भी काफी कम है। किसी के भी जीवन का लगभग हर हिस्सा उसके परिवार, समुदाय, गांव या समाज के लिए खुली किताब की तरह होता है। यहां व्यक्तिगत इच्छाओं व स्वामित्व-अधिकार पर समाजों की प्रथाओं और जारी किए जाने वाले फरमानों की बंदिशें भी होती हैं। मसलन, यहां किसी लड़की के पास उसका व्यक्तिगत मोबाइल फोन तो हो सकता है, पर उसका इस्तेमाल वह कैसे करेगी, यह तय करने का अधिकार उसके परिवार या समाज को होता है। इसके अलावा, भारतीयों में दूसरों के जीवन में दखल देने की भी आदत होती है, और विडंबना देखिए कि हम दूसरे की निजी व व्यक्तिगत जानकारी हासिल करने की अपनी इस मंशा को 'दखल' या 'निजता का हनन' नहीं मानते। यह दखल यदि आपको पर्याप्त नहीं लगे, तो अपने यहां की शादी देख लीजिए। देश में अब भी 'अरैन्ज्ड मैरिज' यानी माता-पिता की रजामंदी से शादी करना आम है, जो पश्चिम के मिजाज से बिल्कुल अलग व्यवस्था मानी जाती है। मगर हमारे समाज के लोग यह जानने को हमेशा उत्सुक रहते हैं कि विवाह में कितना खर्च किया गया, नवविवाहित जोड़ा बच्चे की योजना कब बना रहा है? अगर बच्चे की नहीं सोच रहा, तो क्यों? यहां बच्चे को यह नहीं सिखाया जाता कि उन्हें बेडरूम के दरवाजे बंद रखने चाहिए; यहां तक कि जब वे सोने जाते हैं, तब भी नहीं। आज भी ग्रामीण और शहरी भारत के कई घरों में दरवाजे को बंद करना- जबकि आप कपड़े न बदल रहे हों- कुछ छिपाने का काम माना जाता है, आपकी निजता नहीं। लोगों से जब यह पूछा जाता है कि क्या वे अपनी निजता का संरक्षण चाहेंगे, यहां तक कि अपने मोबाइल फोन के डाटा की निजता चाहेंगे, तो वे पलटकर अमूमन यही जवाब देते हैं कि 'हमारे पास छिपाने को आखिर है क्या?' शहरी जीवन में भी यह आम है कि ग्राहक जोर-जोर से अपने डेबिट कार्ड का पिन वेटर को बताते हैं। दिलचस्प है कि कई भारतीय इसे सही मानते हैं। वे कहते हैं कि उनके बैंक खाते में पैसे ही कितने होते हैं? यानी, यहां वे निजता को लज्जरी समझ बैठने की भूल कर बैठते हैं और सुरक्षा को पैसे से जोड़ देते हैं। सच यही है कि हमारा समाज डिजिटल क्रांति और निजता के अधिकार के दोराहे पर खड़ा है। जहां देश डिजिटल व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, वहीं भारतीय जनजीवन में रची-बसी संस्कृति निजता को एक ऐसे अधिकार के रूप में लागू करने और समझने की राह में चुनौतियां पैदा कर रही है, जिसे हमारे जीवन व स्वतंत्रता का स्वाभाविक हिस्सा होना चाहिए। भारतीयों को यह समझने की जरूरत है कि निजता वह नहीं है, जो आप दूसरों से छिपाना चाहते हैं, बल्कि वह है, जिसे आप मानते हैं कि किसी दूसरे को देखने की जरूरत नहीं है।

> "भारत ने न संचार को और न ही किसी सूचना को निजी समझा है। यहां व्यक्तिगत जीवन की समझ भी काफी कम है।"

अंतर्मन

आज में जीयें, भविष्य मुस्कुराएगा

रेनु सैनी

समय के तीन स्वरूप है—भूतकाल, वर्तमान काल और भविष्य काल। हममें से अधिकतर व्यक्ति भूतकाल और भविष्यकाल में ही उलझे रहते हैं और वर्तमान काल को जीते ही नहीं हैं। यही दुःख और चिंता का सबसे बड़ा कारण है। वर्तमान से हटने का सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि जो कुछ भी हमारे पास है, हमें उसकी कीमत कौड़ियों के भाव नजर आती है और जो हमारे पास नहीं है, हम उसमें सुख और आनंद खोजने का प्रयास करते हैं। ये करते समय हम सभी यह भूल जाते हैं कि आनंद और सुख हम केवल उन्हीं वस्तुओं से प्राप्त कर सकते हैं जो हमारे पास हैं। खुशी केवल वर्तमान के पलों को जी कर ली जा सकती है। यह जीवन का एक बहुत बड़ा सच है कि 'जीने के लिए मनुष्य को वर्तमान के अलावा कभी कुछ उपलब्ध हुआ ही नहीं है।' भूत वही होता है जो बीत चुका होता है और इस जन्म में तो क्या कभी भी वापस लौट कर नहीं आ सकता।

एक बार एक शिष्य अपने गुरु के पास आकर बोले, 'गुरुजी, मैं ध्यान लगाने की भरसक चेष्टा कर चुका लेकिन न जाने क्यों मेरा ध्यान लगता ही नहीं है।' इस पर गुरुजी बोले, 'वत्स! इसके लिए तुम्हें अभी अभ्यास करना होगा।' शिष्य हैरानी से बोला, 'कैसा अभ्यास? बताइए।' गुरुजी बोले, 'बेटा, यही कि जब तुम्हें भूख लगे तुम तभी खाओ, जब थक जाओ तभी सोओ और काम के समय केवल काम में लगे रहो।' यह सुनकर शिष्य हैरानी से गुरुजी की ओर देखते हुए सोचने लगा, 'यह गुरुजी कैसी अजीबो-गरीब बातें कर रहे हैं। अरे हर व्यक्ति भूख लगने पर ही खाता है, काम करने के समय ही काम करता है और थक जाने पर ही विश्राम करता है।' उसने अपनी यह जिज्ञासा गुरुजी को बताई। गुरुजी मुस्कराते हुए बोले, 'बेटा, यदि तुम ऐसा करते तो तुम्हें यह शिकायत ही न होती कि ध्यान नहीं लग रहा। ईमानदारी से बताओ कि क्या ध्यान लगाते समय तुम भूतकाल की बातें नहीं सोच रहे थे और कर्म करते समय क्या तुम भविष्य में नहीं खोए रहते। खाते समय भूतकाल की बीती घटनाओं पर अफसोस में नहीं डूबे रहते।' यह सुनकर शिष्य दंग रह गया। वाकई वह अभी तक अपने भूतकाल से नहीं निकल पाया था। शिष्य ने भूतकाल में एक स्वर्णिम अवसर को गंवा दिया था। इसलिए वह दिन-रात यही सोचता रहता था कि काश! उस समय उसने उस अवसर को पहचान लिया होता तो आज उसका जीवन बेहद सुखी होता। गुरुजी बोले, 'बेटा, तुम भूत को पकड़ कर अपना वर्तमान बिगाड़ रहे हो और साथ ही भविष्य भी। तुम जितना अधिक वर्तमान में रहोगे, उतना ही अधिक सुख एवं शांति का अनुभव करोगे।'

एलिस मोर्स अल कहते हैं कि 'आज का अधिकतम उपयोग कर लें। समय किसी का इंतजार नहीं करता। बीता हुआ कल इतिहास है। आने वाला कल एक रहस्य है। 'आज' का दिन एक उपहार है। इसलिए उसे प्रेजेंट कहा जाता है।' भूतकाल कचरे के उस डिब्बे की तरह है जिसे याद करने पर उसमें केवल सड़न महसूस होती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि लोगों की आदत अच्छे पलों को पकड़ने की कम और बुरी यादों में जकड़ने की अधिक होती है। इसलिए बुरी यादें और बुरे पल दिल, दिमाग में सड़न ही पैदा करते हैं। यह याद रखिए कि बीता हुआ कल केवल दो कौड़ी का है।

फिर भी अधिकांश लोग उन यादों के अनुरूप ही अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। कब-किसने किसके साथ कैसा व्यवहार किया, इस बात को अच्छे से याद रखते हैं और वर्तमान में उनके साथ भी ऐसा ही व्यवहार करने का प्रण लेते हैं। इन सबमें वर्तमान के सुंदर पल और स्वर्णिम अवसर हवा की तरह हाथ से निकल जाते हैं।

इसी तरह भविष्य पूरी तरह से अप्रत्याशित है। यदि हम उस ओर सोचने में ही अपने प्रेजेंट को लगा देते हैं तो इससे बड़ी मूर्खता दूसरी नहीं हो सकती। 'मैं मन हूं' पुस्तक में भी यही कहा गया है कि 'वर्तमान वह जादू है जो जल्द ही सबकी समस्याओं का निराकरण करने में सक्षम है।' हम सभी भूतकाल में खोए हुए अवसरों और भविष्य के भावी डर को इतना कसकर पकड़ लेते हैं कि वर्तमान में कुछ सोचने और करने के लिए गुंजाइश ही नहीं बचती। इस तरह हम खाली हाथ रह जाते हैं। वर्तमान ही भविष्य की नींव रचता है। भूतकाल तो केवल ऐसा भूत है जो जिंदगी के खूबसूरत पलों को चुरा लेता है। इसलिए आज से, अभी से प्रेजेंट को खुलकर जिएं तो आप पाएंगे कि भविष्य आपके लिए अनेक प्रेजेंट लेकर खड़ा मुस्करा रहा है। और हां, जितनी जल्दी हो सके, भूतकाल के भूत को अपने दिल-दिमाग और घर से विदा कर दीजिए और केवल वर्तमान के गुलाबी पलों का आनंद लीजिए। वर्तमान का मान कीजिए, यही आपको सम्मान, सुख-समृद्धि और प्रसन्नता दिला सकता है।

अर्थव्यवस्था

पूंजीगत खर्च बढ़ाने से होगा विकास

सतीश सिंह

वित्त वर्ष की दो तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीपीडी) में गिरावट आने के बाद विकास को सरकार का चिंता करना स्वाभाविक है। फिलहाल, अर्थव्यवस्था में छाई मंदी दृष्टिगोचर हो रही है। स्थिति पर काबू पाने के लिए सरकार सार्वजनिक खर्च को बढ़ाने पर विचार कर रही है। हालांकि इससे राजकोषीय घाटे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। फिर भी सरकार इस राह पर चलने के लिए तैयार है, क्योंकि मौजूदा समय में पूंजीगत खर्च में बढ़ोतरी करके ही विकास के विविध मानकों में तेजी लाई जा सकती है। उदाहरण के तौर पर सड़क एवं आवास क्षेत्र में निवेश करने पर सीमेंट, छड़, रेत आदि की मांग में इजाफा एवं रोजगार सृजन में बढ़ोतरी आ सकती है। मौजूदा समय में औद्योगिक गतिविधियों, बुनियादी क्षेत्र, रोजगार के अवसरों आदि में सुस्ती का माहौल बना हुआ है। उत्पादों की मांग में सुस्ती एवं खर्च करने से परहेज करने के कारण विकास का गुलाबीपन मद्धिम पड़ रहा है। माना जा रहा है कि पूंजीगत व्यय में वृद्धि होने से अर्थव्यवस्था में सुधार आ सकता है। अस्तु, वित्त मंत्री अरुण जेटली, वाणिज्य मंत्री सुरेश प्रभु, रेलवे एवं कोयला मंत्री पीयूष गोयल, नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार एवं वित्त, वाणिज्य एवं रेल मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हाल ही में पूंजीगत व्यय को बढ़ाने के लिए उपलब्ध विकल्पों पर विचार-विमर्श किया है। वैसे, सरकार हमेशा से राजकोषीय घाटे को लक्ष्य के अंदर रखना चाहती है, लेकिन अर्थशास्त्रियों का कहना है कि सरकार को अर्थव्यवस्था में गति लाने के लिए पूंजीगत खर्च में बढ़ोतरी करनी होगी। इसलिए, चालू वित्त वर्ष में पूंजीगत व्यय को बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है, जो 2016-17 के मुकाबले 25 प्रतिशत अधिक और संशोधित अनुमान 2.80 लाख करोड़ रु पये के मुकाबले 11 प्रतिशत अधिक है। ऐसे में सवाल का उठना लाजिमी है कि व्यय को बढ़ाने के लिए राजस्व के स्रेत क्या होंगे? वर्तमान में सरकार विनिवेश के विकल्प को सबसे कारगर मान रही है। एयर इंडिया का विनिवेश इस साल किया जा सकता है। पहले इसके विनिवेश में समय लगने की बात कही जा रही थी। सरकार बाजार से भी उधारी ले सकती है। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2017-18 के बजट में 5.8 लाख करोड़ रुपये सकल उधारी का लक्ष्य रखा गया है, वहीं कुल विनिवेश का लक्ष्य 72,500 करोड़ रु पये है। सरकार गैर-वित्तीय प्रोत्साहन के उपायों पर भी विचार कर रही है, जिसके तहत केंद्रीय एजेंसियों द्वारा इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड जारी किया जा सकता है। सरकार बैंकों के पुनर्पूंजीकरण के विभिन्न विकल्पों पर भी विचार कर रही है। इस आलोक में ऋण बाजार से पूंजी जुटाई जा सकती है या फिर सरकार बैंकों में अपनी हिस्सेदारी को कम कर सकती है। कुछ सरकारी बैंकों का निजीकरण भी किया जा सकता है। वर्तमान में पूंजीगत व्यय और राजस्व में अंतर 5.05 लाख करोड़ रु पये है, जो पूरे वित्त वर्ष के 5.46 लाख करोड़ रु पये का करीब 92 प्रतिशत है। नोटबंदी और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद कंपनियों द्वारा स्टॉक खाली करने और नये स्टॉक रखने से परहेज करने के कारण अप्रैल-जून तिमाही में आर्थिक विकास दर कम होकर 5.7 प्रतिशत पर आ गई, जिसके कारण दूसरी तिमाही में भी जीडीपी में गिरावट दर्ज की गई। दूसरी तरफ जीएसटी के लागू होने के बाद से सरकार के राजस्व प्राप्ति में भी कमी दृष्टिगोचर हो रही है,जबकि चालू वित्त वर्ष के दोनों तिमाहियों में चीन की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रही। एक अनुमान के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में यदि राजस्व के आंकड़े नहीं बदलते हैं तो प्रत्येक 1,000 करोड़ रुपये के खर्च पर राजकोषीय घाटा जीडीपी के 0.1 प्रतिशत से कम दर से बढ़ेगा। इस तरह पूंजीगत व्यय में 40,000 करोड़ रु पये की बढ़ोतरी से राजकोषीय घाटा बजट लक्ष्य के 3.2 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर 3.5 प्रतिशत हो सकता है। निजी निवेश और विदेशी संस्थागत निवेश का प्रतिशत भारत में बहुत कम है, जबकि निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार निवेशकों को ढेर सारी सुविधाएं देती है। ऐसे में कहा जा सकता है कि पूंजीगत व्यय को बढ़ाने के लिए सरकार को ही आगे आना होगा। पूंजीगत व्यय में वृद्धि से भले ही शुरू में राजकोषीय घाटे में वृद्धि होगी, लेकिन जैसे ही विविध उत्पादों के मांग एवं खपत में बढ़ोतरी होगी, स्थिति में सकारात्मक बदलाव का आना शुरू हो जाएगा, जिसकी पुष्टि ब्लूमबर्ग ग्लोबल बिजनेस फोरम की बैठक को संबोधित करते हुए विश्व बैंक के अध्यक्ष जिम यांग किम ने की है।

खबर संक्षेप

भ्रष्टाचार के आरोप में सहायक पासपोर्ट अधिकारी गिरफ्तार

लखनऊ (वार्ता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आतंकवादी निरोधक दस्ते (एटीएस) ने पैसा लेकर पासपोर्ट बनाने और उसकी श्रेणी में परिवर्तन कराने के आरोप में आज यहां सहायक पासपोर्ट अधिकारी सुधाकर रस्तोगी को गिरफ्तार कर लिया। एटीएस प्रवक्ता के अनुसार विधानसभा मार्ग स्थित पासपोर्ट सेवा केन्द्र लखनऊ के सहायक पासपोर्ट अधिकारी सुधाकर रस्तोगी को एटीएस ने उनके आवास रामनगर कालोनी ऐशबाग से गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि उन्हें गोमतीनगर में एटीएस थाने में पंजीकृत एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब कि एटीएस की टीमों ने गत 27 मार्च को लखनऊ के पांच स्थानो पर दबिश देकर पासपोर्ट कार्यालय के कुछ कर्मचारियों की मिली भगत से फर्जी कागजातों के आधार पर पासपोर्ट बनवाने तथा कुछ लोगों के सामान्य पासपोर्ट को जाली दस्तावेजों के आधार पर विशेष पासपोर्ट में तब्दील कराने के प्रकरण में लखनऊ के छह लोगों मो0 मारूफ, मो0 फैसल, मो0 जावेद, अरमान खान, कुलविन्दर सिंह को गिरफ्तार किया था। उनके पास से कुल 73 पासपोर्ट, लैपटाप, कम्प्यूटर प्रिन्टर तथा अन्य अवैध कागजात बरामद हुए थे।

युवक बना जहर खुरान का शिकार

सहारनपुर। थाना मण्डी क्षेत्र में एक युवक आधी रात के समय बेसुध हालत में पड़ा मिला, उसके जहर खुरान का शिकार होने की आशंका जतायी गयी है। युवक को जिला चिकित्सालय मे भर्ती कराया गया। वही जहर सेवन से किशोरी सहित कई अन्य की हालत बिगड़ी। मण्डी समिति मार्ग पर करीब तीस वर्षीय एक युवक सड़क किनारे बेहोशी की हालत में पड़ा था जिसके मुंह से झाग भी निकल रहे थे। आसपास के लोगों ने सूचना देकर एम्बुलैंस मौके पर बुलवायी और युवक को जिला चिकित्सालय भिजवाया गया। चिकित्सकों ने जहर सेवन संदेह में युवक को भर्ती किया। घटना स्थल पर मौजूद लोग युवक के जहर खुरान के शिकार होने की आशंका जता रहे थे वहीं जहर खुरान के चलते थाना जनकपुरी के तकिया निवासी महमूद की पुत्री शबनम 17, थाना सदर बाजार के खलासी लाईन निवासी नजमा 32 पत्नि अमजद, नगर कोतवाली के इन्द्रा कैम्प कालोनी निवासी महेश 40 पुत्र लल्लू राम तथा बेहट के गांव शेखपुरा की पिंकी 28 पत्नि पदम की भी हालत बिगड़ी इन्हें भी परिजनों ने जिला चिकित्सालय में लाकर भर्ती कराया।

डीआईजी की हालत बिगड़ी, थाना सदर का मुआयना टला

सहारनपुर। बुधवार को अचानक डीआईजी जितेन्द्र कुमार शाही की हालत बिगड़ गयी। कमर दर्द की शिकायत होने पर उन्हें दिल्ली रोड स्थित मेडिग्राम अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे थाना सदर बाजार में डीआईजी का मुआयना भी टल गया। थाना सदर बाजार में बुधवार को डीआईजी जितेन्द्र कुमार शाही को मुआयना करना था। इसके लिए पिछले काफी दिनों से थाना सदर बाजार का स्टॉफ दिन-रात एक किये था। साफ-सफाई अभियान भी पूरी तरह दुरूस्त कर लिया गया था। शाम 4 बजे मुआयने के लिए डीआईजी को थाना सदर बाजार पहुंचना था मगर सूत्र बताते हैं कि इससे पहले ही सवेरे से ही उन्हें कमर दर्द की शिकायत हो गयी थी। दोपहर तक दर्द बढ़ जाने पर उन्हें दिल्ली रोड स्थित मेडिग्राम अस्पताल ले जाया गया। उसके बाद डीआईजी का थाना सदर बाजार का प्रस्तावित मुआयना भी टल गया और संभवत थाने के स्टॉफ ने भी राहत की सांस ली।

उप्र में 20 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का तबादला

लखनऊ (वार्ता)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने आज एक बडा प्रशानिक फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 20 अधिकारियों का तबादला कर दिया। इनमें से आठ अधिकारियों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार प्रमुख सचिव, धर्मार्थ कार्य, सूचना एवं पर्यटन विभाग तथा महानिदेशक पर्यटन एवं सीईओ, यूपीडा एवं उपसा तथा अपर स्थानिक आयुक्त उत्तर प्रदेश नयी दिल्ली नवनीत कुमार सहगल को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। प्रतीक्षारत वरिष्ठ अधिकारी अवनीश कुमार अवस्थी को प्रमुख सचिव, [illegible] सूचना एवं पर्यटन महानिदेशक पर्यटन [illegible], यूपीडा एवं उपसा बनाया है। प्रमुख सचिव, अवस्थाना एवं औद्योगिक विकास तथा एनआरआई विभाग एवं अध्यक्ष नोएडा गौतमबुद्धनगर रमारमण को हटाते हुए उन्हें प्रतीक्षा सुची में रखा गया है। उनके स्थान पर मेरठ के मण्डलायुक्त आलोक सिन्हा की तैनाती की गयी है। अपर मुख्य सचिव, भू-तत्व एवं खनिकर्म विभाग डा0 गुरदीप सिंह को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। राजप्रताप सिंह सदस्य, राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ को अपर मुख्य सचिव भू-तत्व एवं खनिकर्म विभाग के पद पर तैनात करते हुए सदस्य, राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश लखनऊ के पद का अतिरिक्त पदभार सौंपा गया है। प्रमुख सचिव, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की श्रीमती डिम्पल वर्मा को प्रतीक्षारत रखते हुए प्रतीक्षारत अधिकारी श्रीमती अनीता सी मेश्राम को बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग का सचिव बनाया [illegible]या है। वाणिज्य कर आयुक्त एवं विधिक शिक्षा विभाग के सचिव [illegible]ुकेश कुमार मेश्राम को प्राविधिक शिक्षा विभाग के सचिव के अतिरिक्त प्रभार से अवमुक्त कर दिया गया है। वह अब वाणिज्य कर आयुक्त के पद पर यथावत बने रहेंगे। लखनऊ के मण्डलायुक्त एवं व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास के सविच भुवनेश कुमार को मण्डलायुक्त लखनऊ के अतिरिक्त प्रभार से अवमुक्त कर दिया गया है। श्री कुमार व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास के सचिव पद पर यथावत बने रहेंगे और उन्हें प्राधिविधिक शिक्षा विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अमित कुमार घोष प्रबंधक निदेशक यूपी एसआईडीसी एवं उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम तथा आयुक्त एवं निदेशक, उद्योग कानपुर नगर को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है।

रणवीर प्रसाद आयुक्त एवं निदेशक, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग तथा प्रबंध निदेशक, केस्को कानपुर नगर को वर्तमान पद के साथ श्री घोष के सभी विभागों का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। प्रमुख सचिव नागरिक उड्डयन एवं राज्य सम्पत्ति विभाग श्रीमती अनिता सिंह को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। सचिव संस्कृति एवं निदेशक, संस्कृति डा0 हरिओम को भी प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। इलाहाबाद में तैनात आबकारी विभाग के आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण को मुख्यमंत्री के सचिव पद पर तैनात करते हुए उन्हें नागरिक उड्डयन, राज्य सम्पत्ति एवं संस्कृति विभाग के सचिव तथा निदेशक, संस्कृति, एंव आबकारी आयुक्त इलाहाबाद के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव आमोद कुमार को सदस्य (न्यायिक), राजस्व परिषद इलाहाबाद के पद पर नियुक्त किया गया है। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के सचिव पनधारी यादव को सदस्य (न्यायिक), राजस्व परिषद इलाहाबाद के पद पर नियुक्त किया गया है। दीपक अग्रवाल मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ग्रेटर नोएडा एवं नोएडा तथा गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विजय कुमार यादव को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। अमित मोहन प्रसाद निवेश आयुक्त, उत्तर प्रदेश, नयी दिल्ली को वर्तमान पद के साथ मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा, गौतबुद्धनगर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

नहीं रहे पूर्व केन्द्रीय मंत्री अखिलेश दास

लखनऊ (वार्ता)।

कांग्रेस नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. अखिलेश दास का दिल का दौरा पडऩे से आज यहां निधन हो गया। वह करीब 56 वर्ष के थे। वह आल इण्डिया बैडमिन्टन एसोसिएशन के अध्यक्ष और लखनऊ के महापौर भी थे। लखनऊ में उन्होंने अपने पिता और पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बनारसी दास के नाम पर बैडमिन्टन एकेडमी की स्थापना की थी। मनमोहन सरकार में इस्पात राज्यमंत्री रहे अखिलेश दास उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से ठीक पहले ही कांग्रेस में शामिल हुए थे। इससे पहले वह बहुजन समाज पार्टी में थे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय के अध्यक्ष श्री दास को सुबह अचानक आवास पर दिल का दौरा पड़ा और उनका निधन हो गया। वह मधुमेह से भी पीड़ित थे। श्री दास पूर्व मुख्यमंत्री बनारसी दास के पुत्र थे। अखिलेश दास का जन्म 31 मार्च 1961 को लखनऊ में हुआ था। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटी और एक बेटा है। वर्ष 1996 में अखिलेश दास पहली बार राज्यसभा सांसद बने थे। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी से मतभेद के बाद उन्हें मंत्री पद से हटा दिया गया था। इसके बाद 2008 से लेकर 2014 तक वह बसपा से राज्यसभा सांसद रहे। अखिलेश दास के निधन से उनके समर्थकों में शोक की लहर दौड़ गई। उनके समर्थकों का घर के बाहर हुजूम लगा हुआ है। उन्होंने समाज सेवा के क्षेत्र में काफी योगदान दिया। एम्बुलेंस, प्याऊ, शिक्षा, खेल समेत जैसे कई क्षेत्रों में उन्होंने अपना योगदान दिया। उनके द्वारा स्थापित बाबू बनारसी दास इंजीनियरिंग कॉलेज लखनऊ का प्रतिष्ठित नाम है जहां से सैकड़ों इंजीनियर हर साल निकलते हैं। इसके अलावा अखिलेश दास ने खेल के क्षेत्र में भी काफी योगदान दिया है। उन्होंने बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी भी खोली है. इसके अलावा वे खुद भी एक नेशनल लेवल के बैडमिंटन खिलाड़ी रहे हैं. वह भारतीय बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर अखिलेश दास के निधन पर दु:ख व्यक्त करते हुए उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी है। ट्वीट में कहा गया, 'सांसद और केंद्रीय मंत्री रह चुके श्री अखिलेश दास के निधन की खबर से बहुत दुखी हूं। सामाजिक जीवन में उनके सक्रिय योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

मंदिर पर पानी भरने के विवाद में युवक की पीट-पीट कर हत्या

शिरोमणी अकाली दल का प्रतिनिधिमंडल मिला एसएसपी से कार्यवाही की मांग

सहारनपुर। मंदिर भरने के विवाद में दबंगों द्वारा पीट-पीट कर एक युवक की हत्या किये जाने और अब परिजनों को जान से मारने की धमकी देने के मामले में शिरोमणी अकाली दल का एक प्रतिनिधिमंडल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से उनके कार्यालय में परिजनों के साथ मिला और मामले की पूर्ण जानकारी देते हुए आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की। शिरोमणी अकाली दल के मीडिया प्रभारी रूपेश कर्णवाल ने बताया कि गत 14 जनवरी 2017 को रामूगेट निवासी मंसा राम की वहीं के राजीव व संजीव पुत्रगण रामायण सिंह, राम किशन पुत्र सीताराम निवासी पेपर मिल रोड रामूगेट द्वारा शीतला माता मंदिर पर पानी भरने के विवाद को लेकर पीट-पीट कर हत्या कर दी गयी थी। जिसमें एक को पुलिस को गिरफ्तार ने कर लिया था लेकिन आज तक दो आरोपी फरार चल रहे और मृतक की विधवा पर दबाव दे रहे हैं या तो उनके हक में फैसला कर लो वर्ना पूरे परिवार को जान से मार देंगे। उन्होंने कहा कि न तो पीडित परिवार को आर्थिक सहायता ही उपलब्ध करायी और न ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जा रहा है जिससे पीडित परिवार आहत है। उन्होंने मांग की कि पीडित परिवार को आर्थिक सहायता दिलायी जाये। प्रतिनिधिमंडल में दीपक राजदेव, जितेन्द्र वर्मा, नितिन, अमर, रजत, प्रदीप, राजू, रमा शंकर, राहुल कृष्णन, राम बादल, विकास, विक्की, नन्दू, हेमराज आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय मुस्लिम मंच ने पाक का पुतला किया प्रदर्शन

सहारनपुर। पूर्व नौ सैनिक अधिकारी कुलभूषण जाधव को तुरंत रिहा कराये जाने की मांग को लेकर आज राष्ट्रीय मुस्लिम मंच से जुड़े कार्यकताओं ने आज स्थानीय घंटाघर पर जिलाध्यक्ष नईम अहमद के नेतृत्व में पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार नारेबाजी कर पाकिस्तान के पुतला फूंक प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पाकिस्तान के मंसूबे कभी पूरे होने दिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि कुलभूषण जाधव निर्दोष हैं, उन्हें झूठा फंसाया गया है। पाक पूर्व में भी अपनी मनमानी करता रहा है, इसे सबक सिखाना जरूरी हो गया है। मण्डल अध्यक्ष बाबर अली ने पाकिस्तान की कड़े शब्दों में आलोचना की। पुतला जलाने वालों में जिला उपाध्यक्ष मौ.सादिक, डा. अब्दुल जब्बार, हाफिज इसरार, अब्दुल कदीर, नवेद रिजवान, फरमान, मेहरबान, शानवाज, अलीशेर, हाफि समीर, मंसूर अली, फिरोज खान, तालिब खान, अहतशाम, राजा, अ0रहीम, स.जगपाल सिंह, सुशील कुमार आदि मुख्य रहे।

दमकल की गाडी ने बाइक में मारी टक्कर, बडा हादसा टला

सहारनपुर। अम्बाला रोड पर कल्पना तिराहे के निकट दमकल विभाग की गाडी की टक्कर से बाइक सवार बच्चे को चोटें आयी जबकि उसका पिता हादसे में बाल-बाल बचा। बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गयी। बाद में दमकल चालक के गलती मान लेने और बाइक ठीक कराने की बात पर मामला रफा-दफा हो गया। हुआ यूं कि थाना कुतुबशेर क्षेत्र में अम्बाला रोड पर कल्पना तिराहे घूम पर बाइक पर जाते युवक को फायर बिग्रेड की गाडी ने टक्कर मार दी। घटना में युवक तो बाल-बाल बच गया मगर उसके पीछे बैठे बच्चे को आंशिक चोटें लगी और बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गयी। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गयी। दमकल की गाडी को भी रूकवा लिया गया। थाना कुतुबशेर पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी। दमकल गाडी के चालक द्वारा अपनी गलती मान लिये जाने और बाइक ठीक कराकर देने की बात कहने पर बाइक सवार युवक भी मान गया और मामला रफा-दफा हो गया।

बाराबंकी में मंत्री ने घायल तीन लोगों को अस्पताल पहुंचाया

बाराबंकी (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ओमप्रकाश राजभर के काफिले के वाहन से मोटरसाइकिल टकराने के कारण तीन लोग घायल हो गये। घायलों को श्री राजभर ने खुद जिला अस्पताल पहुंचाया। पुलिस सूत्रों के अनुसार फैजाबाद के मवई निवासी अखिलेश श्रीवास्तव अपनी पत्नी प्रेमलता और पांच वर्षीय पुत्री परी के साथ शहर के लखपेड़ाबाग मोहल्ले में अपने रिश्तेदार से मिलने जा रहे थे। तभी सागर इंस्टीट्यूट के पास पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ओमप्रकाश राजभर के काफिले की एक गाड़ी ने मोटसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे तीनों घायल हो गये। हादसे के बाद मंत्री ने काफिला रोककर घायलो को जिला चिकित्सालय पहुंचाया और उनकी चिकित्सा की पूरी व्यवस्था करायी।

गौवध अधिनियम में हुआ मुकदमा दर्ज, परिचालक भेजा जेल

सहारनपुर। विश्वकर्मा चौक के निकट से मंगलवार की देर रात्रि गौवंश के अवशेषों से लदे ट्रक के पकड़े जाने के मामले में श्रीराम सेना के जिलाध्यक्ष की ओर से चालक व परिचालक के खिलाफ थाना सदर बाजार में गौवध अधिनियम की धारा में मुकदमा दर्ज कराया गया। चालक मौके से फरार हो गया था जबकि पकड़े गये परिचालक को पुलिस ने जेल भेजा। मंगलवार की देर रात श्रीराम सेना के अध्यक्ष विभोर राणा के नेतृत्व में दल से जुड़े काफी संख्या में एकत्रित हुए कार्यकताओं ने तेज दुर्गन्ध वाले ट्रक को श्रीराम चौक के निकट रूकवा लिया था। पहले ट्रक में गौमांस लदे होने की आशंका जतायी गयी थी। लोगों से घिर जाने पर चालक को ट्रक को छोड़ कूदकर फरार हो गया था जबकि परिचालक अनुज पुत्र धर्मसिंह निवासी शाकुम्भरी विहार थाना देहात कोतवाली को लोगों ने ट्रक सहित पकड़कर थाना सदर बाजार पुलिस के सुपुर्द कर दिया था। कार्यवाही की मांग को लेकर थाना परिसर में देर रात तक हंगामा भी चलता रहा। सीओ अब्दुल कादिर भी थाने पर पहुंचे थे और कार्यवाही का आश्वासन दिया था। थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह खालसा ने बताया कि श्रीराम सेना के अध्यक्ष विभोर राणा की ओर से अज्ञात चालक और पकड़े गये परिचालक के खिलाफ गौवध अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज कराया गया।

इटावा में चाय की दुकान में घुसा लोडर, एक की मृत्यु सात घायल

इटावा (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के इटावा में आज मैनपुरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार लोडर तीन मोटरसाइकिलों को टक्कर मारने के बाद बेकाबू होकर चाय की दुकान में घुस गया जिससे एक वृद्ध की मृत्यु हो गई और सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शिवहरी मीणा ने बताया कि तेज रफ्तार लोडर फ्रेंड्स कॉलोनी क्षेत्र में कुनैरा बिजली घर के पास तीन मोटरसाइकिलों को टक्कर मारने के बाद चाय की दुकान में घुस गया। हादसे में मोटरसाइकिल सवार कानपुर देहात के झींझक निवासी 55 वर्षीय रामसेवक की मृत्यु हो गई। दुर्घटना के बाद गुस्साए लोगों ने नशे में धुत लोडर के चालक को जमकर पीटा और एक दुकान में बंद कर दिया। बाद में भीड ने सड़क पर जाम लगा दिया।

डा. अम्बेडकर का मिशन अधूरा: तेगवाल

▶▶ गैर बराबरी के खिलाफ समता मूलक समाज व राष्ट्र का निर्माण करना ही उनके जीवन का मिशन था।

सहारनपुर। जय भारत स्वाभिमान संघ के तत्वावधान में डा. अम्बेडकर जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में नेशनल हाईस्कूल गलीरा रोड पर एक समारोह का आयोजन किया गया तत्पश्चात 'डा. अम्बेडकर एवं भारतीय समाज' विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें समाज के गणमान्य बुद्धिजीवी शिक्षकों एवं साहित्यकारों ने भाग लिया। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता सामाजिक चिन्तक संजय तेगवाल ने कहा कि ह्यबाबा साहब डा. अम्बेडकर किसी वर्ग या जाति विशेष के नेता नहीं थे, बल्कि मानवता वादी विचारधारा के पोषक थे, उनका संघर्ष शोषित-पीड़ित जन के उन तमाम हक वंचित वर्गों, दलित, पिछड़ा और स्त्रियों के हक और अधिकारों की बहाली के लिए था। गैर बराबरी के खिलाफ समता मूलक समाज व राष्ट्र का निर्माण करना ही उनके जीवन का मिशन था।

उन्होंने कहा कि आज वंचित और पिछड़े समाज में जो कुछ प्रगति हुई है। जो लोग बाबा साहेब के आंदोलन व संविधान की बदौलत आगे बढ़े हैं, उन्हें समाज के कमजोर वर्ग के लोगों का सहारा बनना चाहिए था, किन्तु आरक्षण का लाभ लेकर दलितों में भी एक नया 'एलीट' वर्ग उत्पन्न हो गया जो अपने दायित्व को भूल गया जब लाभ (आरक्षण) की बात आती है तो इसी वर्ग के हाथ सबसे ऊपर उठते हैं और उन बेसहारा, कमजोर दलित भाईयों के हक जाति और वर्ग के नाम पर छिन लिये जाते हैं। ऐसे लोग अम्बेडकर मिशन के साथ छल कर रहे हैं। उसे धोखा दे रहे हैं। काश! इन लोगों ने उन गरीब दलित परिवारों को भी गोद ले लिया होता। तो डा. अम्बेडकर का मिशन शायद पूरा हो गया होता। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार व पूर्व प्राचार्य एवं सदस्य माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड डा. एन.सिंह ने की। संचालन पूर्व जिलाधिकारी सूचना अधिकारी सुल्तान सिंह ने किया। गोष्ठी को प्रो. अरविन्द कुमार,वरिष्ठ चिकित्सक डा. जी.आर.रमन, सांइटिस्ट डा.महावीर सिंह, वरिष्ठ शिक्षक नेता ब्रजपाल सिंह, सीता राम सहगल, बिजेन्द्र कुमार नल्हेडा, सहीराम आर्य, देशराज सिंह, सुरेन्द्र कुमार शेरू, छात्रनेता रविन्द्र कुलवंशी, उमेश गौतम, सतेन्द्र कुमार रिंकू, इश्क लाल आजाद आदि ने भी सम्बोधित किया।

आज कोर्ट रोड पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया जिसमें नगर निगम के महाबली में कई खोखो, रेहडो को तोड़ा औद अवैध अतिक्रमण टाया। आज स्थानीय कोर्ट रोड पर कई दुकानों के सामने लगे थड़ों को भी तोडा गया गया और उन्हें चेतावनी देकर छोड़ा गया। महाबली ने कई दुकानों के द्वारा निकाले गये छज्जों को ध्वस्त कर दिया गया।

श्री बालाजी जयंती महोत्सव पर निकाली भव्य मंगल कलश यात्रा

सहारनपुर। श्रीबालाजी जंयती महोत्सव व सिद्वपीठ प्राचीन श्रीहनुमान मंदिर के 27 वें वार्षिकोत्सव के उलपक्ष्य में आज धूमधाम से भव्य शोभायात्रा एवं मंलग कलश यात्रा निकाली गयी जिसका विभिन्न बाजारों में पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया और हलवाई हट्टा बाजार में 51 किलों का केक काटा गया। यात्रा मार्ग को तारणद्वार व आकर्षक विद्युत लाईटों से सजाया गया था जिससे चहुंओर रंगबिरंगी लाईटों अपनी अलग ही छटा बिखेर रही थी। आज श्री बालाजी आध्यात्मिक सतसंग मंडल साधक परिवार के तत्वावधान में मौहल्लाल चौंताला स्थित सिद्वपीठ प्राचीन सिद्वपीठ श्रीहनुमान जी मंदिर से शोभायात्रा का शुभारंभ पंडित अतुल जोशी महाराज व मंदिर अघिष्ठता पंड़ित वासुदेव शर्मा निमोर्ही ने नारियल फोड़ ध्वजारोहण कर किया। नगर विधायक व उत्सव संचालक विनय जिंदल ने श्रीबालाजी महाराज की आरती उतारी। तत्पश्चात शोभायात्रा आरंभ हुयी। शोभा यात्रा में सबसे आगे एक युवक धर्मध्वज लिये चल रहा था उनके साथ दो युवा मंदिर समिति का बैनर लिये चल रहे थे। एक रथ भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजमान थी उनके साथ 151 लाल वंस्त्र पहनकर मंगल कलश शिरोधारी कर चल रही थी साथ ही ढोल नगाड़े शोभायात्रा आगमन का संकेत दे रहे थे इसके अलावा विभिन्न जनपदों से आये प्रमुख बैंड अपनी धुनों के माध्यम से श्रीबालाजी महाराज की महिमा का गुणगान कर चल रहे थे। शोभायात्रा में मां सरस्वती, विष्णु लक्ष्मी, राम लक्ष्मण, राधा कृष्ण, सांईबाबा, मां दुर्गा गणेश जी, पंचमुखी हनुमान जी, शनिदेव महाराज की झांकिंया श्रद्वालुओं को अपनी और आकर्षित किये हुये थी। श्रीहनुमान जी द्वारा बर्फ पर नृत्य करने की झांकी सभी के लिये विशेष आर्कषण का केन्द्र सभी को लुभा रही थी। शोभायात्रा भैरव बाबा की रथ के सारथी गोपाल अग्रवाल, श्रीप्रेतराज सरकार के रथ के सारथी गोपाल अग्रवाल तथा श्री बालाजी महाराज के रथ के सारथी का दायित्व अमित गोयल ने निभाया। यात्रा मार्ग को तारणद्वार व आकर्षक विद्युत लाईटों से सजाया गया था जिससे चहुंओर रंगबिरंगी लाईटों अपनी अलग ही छटा बिखेर रही थी। जगह-जगह बाजारा ें में शोभायात्रा का पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। शोभायात्रा के हलवाई हट्टा पहुंचाने पर व्यापार मंडल एसोसियेशन के तत्वाधान में भव्य स्वागत किया गया ओर 51 किलो का केट काटकर खुशी मनायी गयी ओर प्रसाद वितररित किया गया। शोभायात्रा चौंतालाा मंदिर से आरम्भ होकर भगत सिंह मार्ग, बाजार मोरगंज, चौक फव्वारा, नया बाजार, सरार्फा बाजार, हलवाई हट्टा, बाजार दीनानाथ से होते हुए वापस मंदिर पहुंची। इस अवसर पर राजेन्द किशोर माहेश्वरी,सुरेन्द्र मोहन शर्मा, संजय भारद्वाज, मानसिंह जैन, योगेश गोयल, नवीन गर्ग, संजय कर्णवाल, नवीन मित्तल, राकेश महोन शर्मा, अजय शर्मा, आशु गोयल, अमित शर्मा, दीपक अग्रवाल, विनोद गुप्ता, मोहित शर्मा, धर्मेन्द्र शर्मा, संजीव शर्मा, मनोज कुमार गुप्ता, अमित, कुलदीप, सचिन गुप्ता, सुनील गुप्ता, आदि मुख्य रूप से यात्रा का संचालन कर रहे थे।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल की बैठक सम्पन्न

सहारनपुर। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के कार्यालय महानगर अध्यक्ष नरेश धीमान की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में व्यापारी नेता मामचंद पांचाल को महानगर वरिष्ठ संयुक्त महामंत्री मनोनीत किया। नरेश धीमान ने कहा कि संगठन के प्रति उनकी कार्यशैली व लगन व व्यापारी हित में उनकी तत्परता को देखते हुए संगठन द्वारा उन्हें जिम्मेदारी सौंपी गयी है। बैठक को सम्बोधित करते हुए नरेश धीमान ने कहा कि योगी सरकार के शपथ ग्रण के बाद से ही सम्पूर्ण प्रदेश में सभी विभागों व अधिकारियों की कार्यशैली में बदलाव देखने को मिला है, किन्तु सहारनपुर में अधिकारियों के अंदर कोई बदलाव नहीं आया है। वाणिज्य कर के अधिकारियों द्वारा भ्रष्टार व उत्पीड़न में कोई कमी नहीं आयी है। उन्होंने कहा कि व्यापार मण्डल जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर मांग करेगा कि एसआईबी विभाग की कोई आवश्यकता नहीं है। इस विभाग को बंद किया जाये। बैठक में महानगर महामंत्री प्रवीण छाबडा, मनोज ठाकुर, अनीत गर्ग, अश्वनी अरोडा, पंकज बजाज, यशपाल त्रेहण, बाल मुकुन्द माहेश्वरी, केतन विरमानी, सुनील शर्मा, दीपक भार्गव आदि व्यापारी मौजूद रहे।

राहुल ने द्वारका से किया चुनाव प्रचार का श्रीगणेश, भव्य रोड शो

रोड शो में राहुल गांधी का भाटिया, खंभाणिया, झाखर, वसई आदि स्थानों पर उनका स्वागत किया जाएगा।

जामनगर। कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल गांधी सोमवार को यात्राधाम द्वारका से विधानसभा के चुनाव प्रचार का श्रीगणेश करेंगे। आज सुबह 11.30 बजें उन्होंने द्वारका के जगत मंदिर में शीश झुकाया। इसके बाद वे रोड शो के माध्यमसे जामनगर पहुंचेंगे। रास्ते में वे कई सभाओं को संबोधित करेंगे। उनके आगमन से सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। रोड शो में राहुल गांधी का भाटिया, खंभाणिया, झाखर, वसई आदि स्थानों पर उनका स्वागत किया जाएगा। यहां वे आम सभाओं को भी संबोधित करेंगे। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस के कई नेता भी होंगे, जिसमें अहमद पटेल, अशोक गहलोत, भरत सिंह, शक्तिसिंह गोहिल प्रमुख हैं। उनक सुरक्षा को लेकर पुलिस की कड़ी व्यवस्था है।

बड़ौदा में 40000 लोगों ने किया एक साथ गरबा

लक्ष्मी विलास पैलेस में हुआ गरबे का आयोजन

वडोदरा। वड़ोदरा के लक्ष्मी विलास पैलेस में 40000 लोगों ने एक साथ गरबा करके एक रिकॉर्ड बना दिया है। इस गरबे का आयोजन देखते ही बनता था। 40,000 लोगों का एक साथ गरबा करने का यह मनोरम दृश्य जिसने भी देखा, जीवन भर के लिए गरबा एक अमिट छाप छोड़ गया। 40,000 लोगों ने गरबा करते हुए सर्किल में घूमने की परंपरा को बनाए रखा। उल्लेखनीय है कि गुजरात की पहचान गरबा डांस से सारी दुनिया में होती हैं। नवरात्रि के दौरान गुजरात के अहमदाबाद, सूरत और बड़ोदरा में गरबा देखने और गरबा करने के लिए दुनियाभर से लोग यहां पहुंचते हैं।

गरबा में 10 हजार करोड़ का व्यवसाय

गुजरात में गरबा और नवरात्रि के दौरान बहुत बड़ा व्यवसाय का यह अवसर होता है। जानकारों के अनुसार एक माह के अंदर 10000 करोड़ रुपए का व्यापार अकेले गरबा का होता है। गरबा के दौरान ग्राउंड, स्लब पार्टी, डांस स्लासेज, लाइट बिजली और ड्रेस इत्यादि में भारी रकम खर्च की जाती है। गुजरात में गरबा के अवसर पर मैदान का किराया 50000 से लेकर दो लाख रुपया प्रतिदिन तक का हो

जाता है। गरबा के दौरान बड़े बड़े इवेंट होते हैं। गरबा में नाचने के लिए 500 रुपए से लेकर 3000 रुपये तक की टिकट लगती है। लाइट में रोजाना लाखों रुपए खर्च होते हैं। नवरात्रि की धूमधाम के लिए और गरबा के लिए परंपरागत ड्रेस किराए पर भी मिलती है। इस दौरान परंपरागत परिधान की बिक्री भी बढ़ जाती है? परंपरागत परिधान 800 से लेकर 40000 रुपये तक में यहां पर बिकते हैं।

ड्रोन का उपयोग

बड़ोदरा के लक्ष्मी विलास पैलेस में हुए इस ऐतिहासिक आयोजन की कवरेज ड्रोन के माध्यम से की गई। 500 फीट ऊपर से ड्रोन ने जो विहंगम दृश्य लिया है।

वह अपने आप में अनूठा है। गरबा के दौरान ड्रोन की मांग इस बार गुजरात में काफी बढ़ी हुई थी। पर्यास संस्था में आयोजकों को ड्रोन भी उपलब्ध नहीं हो पाए।

साझेदार को अंधेरे में रख 81 लाख का माल बाहर ही बाहर बेच ठगी

साझेदार ने 73 लाख की उगाही का रजिस्टर्ड में नहीं किया उल्लेख

सूरत। रिंगरोड की शिवदर्शन टेक्सटाइल मार्केट में व्यापार करने वाले साझेदार ने उसके साथियों के साथ मिलकर 81 लाख रुपये की साडी का जत्था बाहर ही बाहर बेच तथा 73 लाख रुपये की एन्ट्री रजिस्टर्ड में न दिखाकर साझेदार के साथ ठगी की। पुलिस सूत्रों के अनुसार कुंभारिया-देवधं रोड पर संघनी स्काय में रहनेवाले कौशल सुधीर मिश्रा पिछले कई वर्षो से अपने साझेदार ओमाराम सोनागम बेनीवाल (निवास मान सरोवर सोसायटी, गोडादरा) के साथ रिंगरोड शिवदर्शन टेक्सटाइल मार्केट में साडी का व्यापार करते थे। लेकिन गत फरवरी माह से चालू माह तक साझेदार ओमाराम ने उसके साथियों ओमप्रकाश शर्मा, राकेश ओमप्रकाश शर्मा और मनिष ओमप्रकाश शर्मा के साथ मिलकर 81 लाख रुपये की साडियों का माल फर्जी बिल बनाकर बेच दिया। जिसके बाद ठग गिरोह ने मात्र 8 लाख रुपये का पैमेन्ट चौपडे में रजिस्टर्ड कर बाकी का पैमेन्ट 73 लाख रुपये लेकर फरार हो गये। इस संदर्भ में साझेदार कौशल सुधीर मिश्रा को जानकारी होने पर उन्होंने साझेदार और उसके साथियों से संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया लेकिन उनका कहीं कोई पता न चला। आखिरकार कौशल मिश्रा ने सलाबतपुरा पुलिस में साझेदार सहित उसके साथियों के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस शिकायत के

पूणा में पेप्सी पेय का डुप्लीकेट उत्पादन करनेवाली फेक्ट्री पर छापा

रामदेव सोडा फेक्ट्री के मालिक शैलेष पटेल गिरफ्तार

सूरत। पूणा में पेप्सी कंपनी के पेय का डुप्लीकेट उत्पादन करनेवाली फेक्ट्री पर पुलिस ने छापा मार मालिक शैलेष पटेल को गिरफ्तार किया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार पेप्सिको कंपनी में लीगल एडवाइजर और दिल्ली में रहनेवाले अमित विनोदकुमार गोयल को जानकारी मली थी कि सूरत के पूणागांव जे.जे. नगर में कोई शत्स कंपनी का डुप्लीकेट पेय बोतल उत्पादित कर बाजार में बेच रहा है। इस संदर्भ में उन्होंने रविवार को दिल्ली से सूरत आकर पूणा पुलिस को इस संदर्भ में जानकारी दी। जिससे सब इंस्पेक्टर एल.एम. चौधरी सहित पुलिस स्टाफ ने रविवार दोपहर पूणागांव जे.जे. नगर स्थित रामदेव सोडा नामक फेक्ट्री में छापा मार उसके संचालक शैलेष अरजणभाई पटेल (उम्र 44 वर्ष, निवास सीतुनगर, पूणा गांव) को गिरफ्तार किया।

पुलिस की पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह पिछले काफी समय से पेप्सिको कंपनी की रजिस्टर्ड कोपीराइट्स का उपयोग करके अलग-अलग सिस्बोल वाली शीशे की बोतल में ठंडा पेय बनाकर मशीन से भरकर बाजार में बेचता था। जिससे पूणा पुलिस ने कॉपीराइट्स उलंघन का मामला दर्ज कर शैलेष पटेल को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्यवाही शुरु की है।

पति के साथ बाईक पर निकली

विवाहिता के गले से चेन की चील झडप

सूरत। लिंबायत सांईधाम सोसायटी समीप रत्नकलाकार पति के साथ बाईक पर जा रही विवाहिता के गले से 30 हजार रुपये की चेन तोडकर बाईक सवार युवक फरार हो गये।

पुलिस सूत्रों के अनुसार वराछा वर्षा सोसायटी स्थित क्रिष्णा अपार्टमेन्ट में रहनेवाले और व्यवसाय से रत्नकलाकार जीतुभाई जशुभाई बलदाणीया शनिवार रात आठ बजे अपनी पत्नी सोनलबेन को लेकर लिंबायत सांईधाम सोसायटी स्थित नर्सरी शाला के पास से स्प्लेन्डर गाडी से जा रहे थे। इस दौरान लाल रंग की पल्सर गाडी पर आये दो अज्ञात युवक में से पीछे बैठे युवक ने सोनलबेन के गले से 30,000 रुपये की सोने की अढाई तोला चेन खिंच ली और दोनों फरार हो गये। जीतुभाई ने लोगों की सहायता से दोनों को कपडने का प्रयास किया लेकिन दोनों भागने में सफल हो गये। बलदाणीया दंपत्ति ने रविवार सुबह लिंबायत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस चेन स्नेचरों की खोजबिन कर रही है।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने किया नये गुजरात सदन का भूमिपूजन

7066 वर्गमीटर में 69 कमरों सहित सुविधाओं के साथ 18 माह में होगा तैयार

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज नयी दिल्ली, अकबर रोड, पर आकार लेने वाले गुजरात सदन का भूमिपूजन किया। उन्होंने नयी दिल्ली के इस मध्य क्षेत्र में 7066 वर्गमीटर जमीन का प्लॉट गुजरात सदन के निर्माण के लिए दिए जाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और शहरी विकास मंत्रालय का हृदय से आभार जताया। भूमिपूजन के अवसर पर उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल, विधानसभा अध्यक्ष रमणलाल वोरा, केन्द्र सरकार में गुजरात के राज्य मंत्री पुरुषोत्तमभाई रुपाला, मनसुखभाई मांडविया, हरिभाई चौधरी और जशवंतसिंह भाभोर के साथ ही गुजरात के शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूड़ास्मा भी उपस्थित थे। इस नये भवन का निर्माण नेशनल बिल्डिंग कन्सट्रक्शन कॉर्पोरेशन द्वारा किया जाएगा। एनबीसीसी. के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री रूपाणी को नये गुजरात सदन के प्लान के बारे में जानकारी दी। इस नये गुजरात सदन में 69 कमरे और लॉन्ज की सुविधा होगी और यह 18 माह में ही तैयार किया जाएगा।

कापोद्रा और वराछा से 26 जुआरी गिरफ्तार, 35 हजार का माल जब्त

सूरत। वराछा और कापोद्रा पुलिस ने रविवार की छुट्टी दौरान जुआ खेल रहे 26 जुआरियों को गिरफ्तार कर कुल 34,810 रुपये का माल जप्त किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार वराछा पुलिस ने वराछा भगुनगर के सामने बजरंग अपार्टमेन्ट के पहले मंजिले पर रविवार की छुट्टी में हीरा के कारखाने में जुआ खले रहे रत्नकलाकार रणछोडभाई जादवभाई मकवाणा, सुखा लाडुभाई मकवाणा, घनश्याम गोलाभाई मकवाणा, खोडु रामभाई भालीया, शिवभाई कानाभाई मकवाणा, प्रकाश अरविंद राठोड, राजु गीगाभाई मकवाणा सहित 13 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनकी तलाशी दौरान नकद 13,470 रुपये तथा दाव पर लगे नकद 6,330 रुपये मिलाकर कुल 22,800 रुपये का माल जप्त किया। जबकि कापोद्रा पुलिस ने गुप्त जानकारी के आधार पर कपुरवाडी कॉम्पलेस्स की छत पर जुआ खेल रहे सत्येन्द्र राजपूत, सुखबीर राजपूत, सुरेश राजपूत, जीतु राजपूत, खोडा जमोड सहित 13 लोगों को जुआ खेलते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जिनके पास से रुपलिस ने कुल 12,010 रुपये का माल जप्त किया। वराछा और कापोद्रा पुलिस ने तमाम जुआरियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्यवाही शुरु की है।

निरंकारी इंग्लिश मीडियम सत्संग में किया गया बच्चों को मानवीय मूल्यों से सुशोभित

सूरत। आधुनिक संसाधनों में रमे बच्चों और युवाओं को अध्यात्म से जोडे रखने हेतु संत निरंकारी मंडल की स्थानीय शाखा द्वारा उदवाडा स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन सरन रोड पर जोन स्तरीय इंग्लिश मीडियम सत्संग का आयोजन किया गया। दक्षिण गुजरात के जोनल इंचार्ज ओंकारसिंह ने बताया कि निरंकारी सद्गुरु माता सविन्दर हरदेवजी महाराज की प्रेरणा से विश्वभर में बच्चों और युवाओं को आध्यात्मिक के पथ पर चलने की शिख दी जा रही है, जिसे बच्चे जहां शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल रहे वही आधुनिक संसाधनों का सदुपयोग कर मानवीय मूल्यों को बढावा दे। इस अवसर पर अहमदाबाद से आये सुनिल तीर्थदासनी ने बच्चों और युवाओं को पढाई के साथ-साथ आध्यात्मिक शिक्षा को अपनाने का आहवान करते हुये कहा कि जीवन की तरत्की अध्यात्म से संभव है, अध्यात्म को समझने के लिए भाषा बाधा न बने इसलिये इंग्लिश मीडियम सत्संग आयोजित किये जा रहे हैं। इस अवसर पर बच्चों और युवाओं ने गीत, भजन तथा प्रस्तियों द्वारा उपस्थित श्रद्धालुं की वाह वाही बटोरी, वहीं आध्यात्मिक प्रश्नोतरी में जिज्ञासुओं के संशय दूर करने का लाजवाब प्रयास किया गया। युवाओं ने इंग्लिश सहित विभिन्न भाषाओं के माध्यम से अपने अनुभव सेर किये।

दो महापुरुषों की जन्म जयंती पर आयोजित हुआ कवि सम्मेलन

उत्तर भारतीय रेल संघर्ष समिति के जांबाज सिपाहियों का किया गया सम्मान

सूरत। राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर की पश्चात संध्या तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती की पूर्व संध्या पर मूर्धन्य कवियों की कलम को नमन करते हुए कलम को नमन नामक कवि सत्म्मेलन समस्त बिहार झारखंड समाज ट्रस्ट द्वारा वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के कन्वेंशन हाल में रविवार शाम को आयोजित किया गया। कवि सत्म्मेलन मे कविता से पूर्व प्रबुद्ध विचारक आनन्द वर्धन ने कवि दिनकर तथा पंडित उपाध्याय पर अपना व्यात्यान दिया। दिनकर की कतिपय रचनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने दिनकर तथा दीनदयाल के मध्य सामंजस्यता का उल्लेख किया। उन्होंने दिनकर द्वारा संसद मे दिए गए उस व्यात्यान का भी जिक्र किया। जिसमें उन्होंने कांग्रेस का सांसद होते हुए भी कांग्रेस के द्वारा की गई। गलती पर तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू को चेताया था। हिंदी भाषा के प्रति दिनकर का योगदान का उल्लेख करते हुए।

उन्होंने तमिलनाडु में हुए हिंदी विरोधी आंदोलन का भी जिक्र किया। सूरत के पुलिस कमिश्नर सतीश शर्मा ने अपने प्रशासनिक स्वभाव के विपरीत बड़ा ही समसामयिक व्यक्तव्य देते हुए ट्रस्ट के द्वारा बाढ़ राहत के कार्यों को भी सराहा तथा समाज से आह्वहन किया कि यह इतिश्री नही है इससे भी अधिक आवश्यकता है। कार्यक्रम मे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ शिवेंद्र गुप्ता तथा वस्तु एवम सेवा कर आयुक्त करुणा शंकर मिश्रा ने भी शिरकत की। कवि सत्म्मेलन के आगाज से पूर्व बाढ़ राहत कार्य मे उत्कृष्ट योगदान देने वाले दानदाताओं को सत्मानित किया गया। इनके साथ शारीरिक श्रम द्वारा सहयोगी बने कार्यकर्ताओं को भी मंच पर सत्मानित किया गया। सत्मान तथा अभिनन्दन समारोह के बाद कविता का उन्मत प्रवाह चला जिसने श्रोताओं को रसाभिषिक्त कर दिया। कार्यक्रम की संचालिका तथा अपनी ओजपूर्ण कविताओं के लिए विश्व विख्यात कविता तिवारी ने सरस्वती वंदना द्वारा कार्यक्रम प्रारम्भ किया। सर्वप्रथम कविता पाठ के लिए हिमांशु बबंडर आये जिन्होंने हास्य का ऐसा बवंडर चलाया की श्रोता ताली बजाने से अपने हाथों को नही रोक सके। पति पत्नी की तीखी नोकझोंक तथा बेटियों को परिवार मे दिए जाने वाले महत्व के बारे मे उन्होंने हास्य की फुहार लगा दी। सुप्रसिद्ध गीतकार प्रियांशु गजेंद्र ने अपनी चित परिचित शैली मे गीत गाये जिनमे श्रृंगार के साथ साथ हास्य एवम व्यंग का भी सत्पुट लगा था। बार बार चुनाव के दौरान दिए जाने वाले वादों को उन्होंने अपने व्यंग के माध्यम से निशाना साधा। एक लहर सी चली तुम बने मंत्री, हम गधे थे, गधे के गधे रह गए कहकर उन्होंने आम आदमी के हालत का बखूबी चित्रण किया। पाकिस्तान पर व्यंग्य करते हुए उन्होंने अपनी प्रसिध्द कविता नागफनियो की गली मे फूलों का व्यापार मेरा सुनाइ।

मैं जिन धागों से शादी का जोड़ा बुन रहा हूँ, तुम उसी धागे से कफ़न त्यो बुन रहा है, अर्थियो पर सज रही है देह तेरी , डोलियों मे सज रहा संसार मेरा , द्वारा उन्होंने पाकिस्तान के लिए कहा कि मोहत्बत के कारण हमारे गांधी संसार मे पूजे जाते है जबकि उनके जिग्रा को कोई याद नही करता। गजल की बेहतरीन फनकारा निकहत अमरोही ने गजल पिता और बेटी की मजबूरी पर पढ़ी। उसके अलावा गीतकार रमेश शर्मा, हास्य कवि महेश दुबे, आशीष अनल ने भी उन्दा कविता पाठ किया। कार्यक्रम मे उत्तर भारतीय रेल संघर्ष समिति के जांबाज सिपाहियों अनुप राजपूत, यजुवेंद्र दुबे, अजय मिश्रा का सत्मान किया गया जो पर पिछले शुक्रवार को रेलवे स्टेशन पर जानलेवा हमला समाजकंटकों ने किया था। उनके साथ समिति के संयोजक अजित तिवारी का भी सत्मान किया गया ।

गुजरात में सशस्त्र तख्तापलट की थी साजिश!

सूरत में रहते हुए उसने गुजरात और महाराष्ट्र में अपनी गतिविधियां जारी रखने के लिए 90-100 आनाधिकृत संगठन बनाए

सूरत। आंध्र प्रदेश के नालगोंडा जिले के निवासी श्रीरामुला व्यंकटम का इरादा गुजरात में सशस्त्र तत्तापलट का था। वह 7 साल से गैरकानूनी गतिविधि निरोधक अधिनियम के तहत सूरत के कामरेज में दर्ज एक मामले में भगोड़ा घोषित था। उसे गिरत्तार कर लिया गया है। आतंकवाद निरोधक दस्ते के अधिकारियों के मुताबिक व्यंकटम सीपीआई(माओवादी) का सक्रिय कार्यकर्ता था। वह आंध्र प्रदेश और ओडिशा के विशेष जोन का मुखिया भी था। अब वह नक्सल आंदोलन के पक्ष में एक पत्रिका चलाता है। वह 2010 में सूरत आया था। वहां रहते हुए वह बाहर से आए मजदूरों और आदिवासियों को सरकार के खिलाफ लोगों को उकसाता था। सूरत में रहते हुए उसने गुजरात और महाराष्ट्र में अपनी गतिविधियां जारी रखने के लिए 90-100 आनाधिकृत संगठन बनाए। उसने अपने काडरों को इन संगठनों में भेज जंगल के इलाकों में हथियारों के साथ उनकी ट्रेनिंग कराई। एटीएस के सूत्रों ने बताया कि व्यंकटम 2003 में एक माइन ब्लास्ट के जरिए उस समय के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की हत्या के प्लान का मास्टरमाइंड था। उसके ऊपर मर्डर का मामला दर्ज किया गया था। पूरे देश में उसके ऊपर 36 केस दर्ज हैं। व्यंकटम छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में नक्सली गतिविधियों के लिए जबरन पैसा वसूली भी करता था। सूत्रों के मुताबिक वह राजनीतिक दल शुरू करना चाहता था। उसे 2007 में ओडिशा से गिरत्तार किया गया लेकिन उसके समर्थकों ने डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर विनिल कृष्णा को अगवा कर लिया इसलिए उसे छोड़ना पड़ा। एटीएस से मिली जानकारी के अनुसार कामरेज पुलिस ने नक्सली गतिविधियां करने के आरोप में 24 लोगों को पकड़ा है। कबोड गांधी और सीमा इरानी अभी

बदमाशों ने यात्री बस में घुसकर एक युवक को मार दिया

अहमदाबाद। शहर के ओढव क्षेत्र में कल रात उस समय सनसनी फैल गई जब कुछ बदमाशों ने निजी ट्रावेल्स कंपनी की लत्जरी बस में घुसकर एक युवक को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने दो बदमाशों को गिरत्तार कर अन्य की तलाश शुरू की है।

सूत्रों के मुताबिक पूर्वी अहमदाबाद के ओढव क्षेत्र निवासी शनिकुमार धर्मेन्द्रकुमार वर्मा ने स्थानीय पुलिस थाने में सात शस्त्रों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज करवाया है। जिसमें शनिकुमार ने बताया कि दो दिन पहले दीप ट्रावेल्स कंपनी के संचालक ने पावागढ़ की दूर का आयोजन किया था। जिसमें शनिकुमार अपनी माता प्रियादेवी और बहन पूजा वर्मा के साथ गए थे। उसी बस में ओढव क्षेत्र के कर्णावती पार्क निवासी परबतसिंह कुशवाहा भी गया था। बीते दिन पावागढ़ में महाकाली के दर्शन करने के बाद लत्जरी बस अहमदाबाद की ओर लौट रही थी। रास्ते में बस की सीट पुशबैक के मुद्दे पर शनिकुमार और परबतसिंह कहासुनी हुई तथा इसी बात को लेकर दोनों के बीच मारपीट भी हुई। जिसके बाद परबतसिंह ने अपने दोस्तों को फोन किया और कहा कि बस में उसका झगड़ा हो गया है। फोन के बाद परबतसिंह के दोस्त अहमदाबाद के सीएमसी नाले के निकट जमा हो गए। रात्रि के दौरान बस के पहुंचते ही परबतसिंह के दोस्त घातक हथियारों के साथ उसमें घुस गए और मार डाली साले को कहते हुए शनिकुमार पर टूट पड़े। हालांकि शनिकुमार पर हमला हो इससे पहले उनकी माता प्रियादेवी और पूजा बीच आ गईं। जिसमें माता और बेटी दोनों घायल हो गईं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com